सुविचार
खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।
-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-250 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, बुधवार 14 मई, 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

श्री अन्न को दें प्रोत्साहन, सरकारी कार्यक्रमों में करें शामिल

प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर-भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों

में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

चिकित्सालयों में लगाए जाएंगे हॉस्पिटल मैनेजर

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मां योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए।

राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में श्री अन्न को करें शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान के सभी जिलों में 8 दिनों तक BJP निकालेगी तिरंगा यात्रा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (BJP) आज से राजस्थान में भव्य 'तिरंगा यात्रा' की शुरुआत करेगी। इस यात्रा का उद्देश्य देश के वीर जवानों को सम्मान देना और युवाओं में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना है। भाजपा नेताओं के मुताबिक, यह यात्रा पूरे प्रदेश में 8 दिनों तक चलेगी और सभी जिलों में इसका आयोजन किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर राजस्थान में यहां भारतीय सीमा में 20 चरू अंदर तक सुनाई दी थी धमाकों की गूंज, ग्रामीणों ने बताई

ऐसी बात

भाजपा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारिक ने बताया कि इस तिरंगा यात्रा के पीछे एक बड़ा भावनात्मक संदेश छिपा है। पार्टी ने कहा है कि यह तिरंगा यात्रा उन जवानों के साहस को समर्पित है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाई। बीजेपी ने कहा कि विशेष रूप से यह यात्रा उन जवानों के सम्मान में की जा रही है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया।

तीनों सेनाओं के सम्मान में यात्रा

बीजेपी नेता ने कहा कि हाल ही में भारत की तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंकवाद के अड्डों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया। हमारी आर्मी के कार्यों को जनता के सामने लाने और उस पर गर्व व्यक्त करने के लिए यह यात्रा शुरू की गई है। पार्टी नेताओं ने सेना के उन साहसी अभियानों की सराहना की है जिसमें आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारा गया और उनके ठिकानों को नष्ट किया गया।

जिला स्तर पर पदाधिकारियों को किया जा रहा नियुक्त

भाजपा के अनुसार, यह यात्रा सिर्फ एक राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि युवाओं में देश के प्रति समर्पण और सेना के लिए सम्मान की भावना को बढ़ावा देने का एक तरीका है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठकों का दौर जारी है, जिसमें जिला स्तर पर यात्रा की तारीखें तय की जा रही हैं। यात्रा के दौरान युवाओं को सेना की वीरता और राष्ट्र की सुरक्षा में उनकी भूमिका के बारे में बताया जाएगा।

युवाओं में जोश भरने के लिए तिरंगा यात्रा

इस यात्रा के माध्यम से यह संदेश देना चाहती है कि देश के नागरिक, विशेष रूप से युवा वर्ग, देश की सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि वे न केवल तिरंगे के सम्मान में कदम से कदम मिलाकर चलें, बल्कि देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

1,88,000 पदों पर सरकारी नौकरी की मिलेगी सौगात

जयपुर। राजस्थान में सरकारी नौकरी की राह देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक में यह साफ कर दिया कि युवाओं को रोजगार देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि करीब 1 लाख 88 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिसमें वन विभाग के कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक और कांस्टेबल के पद शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तय समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया पूरी करें ताकि योग्य अभ्यर्थियों को जल्द नियुक्ति मिल सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी नई भर्तियाँ जरूरी हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री के दिए ये 5 प्रमुख निर्देश

1-हर बजटीय घोषणा पर तय हो टाइमलाइन- अधिकारी घोषणाओं की स्पष्ट समय-सीमा बनाएं और उस पर कार्य सुनिश्चित करें।

2-श्री अन्न को प्रोत्साहन- मिड-डे मील और मां-बाड़ी केंद्रों में श्री अन्न आधारित उत्पाद शामिल किए जाएं।

3-स्वास्थ्य सेवाओं में नया प्रयोग- मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में हॉस्पिटल मैनेजर तैनात किए जाएंगे।

4-ई-हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा- स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से डिजिटल हेल्थ डाटा संग्रहण तेज किया जाएगा।

5-स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा- सरकारी कार्यक्रमों में राजीविका और अन्य समूहों के उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएगी।

रोजगार और विकास की दिशा में नए कदम

मुख्यमंत्री ने बैठक में जानकारी दी कि रोजगार बढ़ाने के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जा रही है। वहीं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लागू की जाएगी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने ई-बस सेवा, एमनेस्टी स्कीम, व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, और पाइप्ड गैस कनेक्शन योजना जैसी बजटीय घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

जयपुर में IPL मैचों पर मंडराया खतरा!

SMS स्टेडियम को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी, प्रशासन

जयपुर। राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम (एसएमएस) को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह इस सप्ताह की तीसरी धमकी है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। गौरतलब है कि इसी उसके आसपास के इलाकों में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड द्वारा स्टेडियम की सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

धमकियों का IPL पर पड़ेगा असर?

स्टेडियम में आईपीएल 2025 के तीन महत्वपूर्ण मुकाबले आयोजित होने हैं।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार 13 मई को स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। इससे पहले भी 8 और 12 मई को ऐसे ही धमकी भरे संदेश मिल चुके हैं। लगातार धमकियों के चलते स्टेडियम और

बता दें, एसएमएस स्टेडियम में 18 मई को राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स, 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स बनाम पंजाब किंग्स और 26 मई को पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबले खेले जाने हैं। इन मैचों के मद्देनज़र प्रशासन को डर है कि ऐसी धमकियां आयोजकों, खिलाड़ियों और दर्शकों के मन में अस्थिरता और डर का माहौल पैदा कर सकती हैं। हालांकि अब तक की जांच में कोई विस्फोटक पदार्थ या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, तलाश जारी

धमकी भरे ईमेलों की जांच में लगी साइबर सेल और टीम अभी तक संदिग्ध की पहचान नहीं कर पाई है। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने दावा किया है कि हर पहलू से जांच जारी है और ट्रैकिंग के जरिए जल्द ही आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि स्टेडियम की सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। मैच के दौरान भी सुरक्षा के अतिरिक्त घेरे तैयार किए जाएंगे और मल्टी-लेयर चेकिंग होगी।

प्रशासन की अपील-अफवाहों से बचें

इस मामले पर जयपुर ज़िला प्रशासन ने आम जनता और क्रिकेट प्रेमियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें। सभी मैच निर्धारित समय पर ही आयोजित किए जाएंगे, और सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बता दें, एसएमएस स्टेडियम को लगातार मिल रही धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। लेकिन प्रशासन का दावा है कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-202-चार दिन में हुई 1.28 करोड़ की बिक्री

रेरा का फैसला:

बिल्डर जयपुर ड्रीम बिल्डकॉन अपने ग्राहक को देगा 20 हजार रुपए मुआवजा

जयपुर। राजस्थान रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) ने जयपुर ड्रीम बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड बिल्डर को एक ग्राहक को मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत में लूना राज ने बिल्डर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि बिल्डर ने उनसे किश्तों में पैसे मांगे, लेकिन फ्लैट का निर्माण शुरू नहीं किया। इससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी हुई। उन्होंने अदालत से वित्तीय नुकसान, मानसिक पीड़ा और कानूनी खर्चों के लिए मुआवजा मांगा था। बिल्डर ने अदालत में कहा कि शिकायतकर्ता ने मुआवजे की रकम का कोई हिसाब नहीं दिया है और न ही कोई खास वजह बताई है। बिल्डर ने यह भी कहा कि रेरा प्राधिकरण ने पहले ही शिकायतकर्ता को 4,05,968 रुपए ब्याज सहित वापस करने का आदेश दिया था,

जिसका भुगतान किया जा चुका है। बिल्डर का आरोप था कि शिकायतकर्ता गलत इरादे से यह शिकायत कर रही है। शिकायतकर्ता ने अदालत को बताया कि उन्होंने फ्लैट के लिए 4,05,698 रुपए जमा किए थे, जो कि कुल कीमत का 10% से ज्यादा था, लेकिन बिल्डर ने उनके साथ कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि बिल्डर ने उन्हें ब्याज के साथ पैसे तो लौटा दिए हैं, लेकिन उन्हें मानसिक परेशानी और अन्य नुकसान के लिए भी मुआवजा मिलना चाहिए। अदालत ने दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद फैसला दिया कि शिकायतकर्ता को मुआवजा मिलना चाहिए। अदालत ने माना कि बिल्डर ने समय पर फ्लैट नहीं बनाया और शिकायतकर्ता को मानसिक और शारीरिक पीड़ा पहुंचाई। रेरा के एडजुकेटिंग ऑफिसर आर. एस. कुलहरि ने सुनवाई के बाद बिल्डर को आदेश दिया कि वह शिकायतकर्ता को मानसिक पीड़ा के लिए 20,000 रुपए और कानूनी खर्चों के लिए 10,000 रुपए का मुआवजा दे। अदालत ने यह भी कहा कि अगर बिल्डर 45 दिनों के भीतर इस आदेश का पालन नहीं करता है, तो उसे शिकायतकर्ता को 6% प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देना होगा।

कोटा ACB की बड़ी कार्रवाई, तहसीलदार व होमगार्ड 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

कोटा। एसीबी कोटा की टीम ने मंगलवार को चेचट के तहसीलदार भरत कुमार यादव और होमगार्ड दिनेश कुमार को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर मुख्यालय के निर्देश पर कोटा स्पेशल यूनिट ने की।

RGHS में गलत भुगतान उठा तो एसएमएस से तत्काल पता लगेगा, सरकार ने गड़बड़ी पकड़ने के लिए किया यह बड़ा बदलाव

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि खरीदी गई भूमि के कन्वर्जन और समर्पण की प्रक्रिया को जानबूझकर लंबित रखते हुए रिश्वत की मांग की जा रही थी। जांच में आरोप की पुष्टि होने पर एसीबी टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा और निरीक्षक पृथ्वीराज मीणा के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। तहसीलदार के निर्देश पर होमगार्ड ने रिश्वत की राशि ली, जिसके तुरंत बाद दोनों को मौके पर तहसील कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि

आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

पहले से थी निगरानी, अब फंसा जाल में

गौरतलब है कि तहसीलदार भरत कुमार यादव पहले भी एसीबी की निगरानी में था। करीब आठ महीने पहले कोटा एसीबी ने एक अन्य मामले में उसे संदिग्ध माना था, जो रजिस्ट्री से जुड़ा हुआ था। उस समय वह एसीबी की गिरफ्त में नहीं आया, लेकिन एसीबी की सतर्क निगाहें उस पर बनी रही। अंततः इस बार पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर उसे ट्रैप कर गिरफ्तार कर लिया गया।

BAP विधायक के रिश्वतकांड में एसीबी को मिली बड़ी सफलता, 20 लाख रुपए बरामद; मिली 2 दिन की रिमांड

यह था आठ माह पुराना मामला

एसीबी ने बताया कि पुराने मामले में परिवादी की बहन आबिदा अपने नाम मकान की गिफ्ट डीड करवाना चाहती थी। रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी होने और भुगतान के बावजूद तहसीलदार भरत कुमार यादव दस्तखत नहीं कर रहा था। इस कार्य के लिए ई-मित्र संचालक हरीश मंडोत ने दस्तखत करवाने की गारंटी ली थी और तहसीलदार के नाम पर पैसे मांगे थे। उस मामले में केवल ई-मित्र संचालक को आरोपी बनाया गया था, जबकि तहसीलदार को संदेह के दायरे में रखा गया था।

पुराने मामले की जांच कर रहे हैं झालावाड़ के एडिशनल एसपी

डीआईजी शिवराज मीणा ने बताया कि एसीबी की टीम ने 9 सितंबर 2024 को चेचट तहसील में कार्रवाई कर ई-मित्र संचालक हरीश मंडोत को 5 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

उस मामले में तहसीलदार यादव की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी। कोटा एसीबी ने स्पष्ट किया था कि यह रिश्वत तहसीलदार के लिए ली जा रही थी। इस मामले की जांच झालावाड़ के एडिशनल एसपी जगराम मीणा को सौंपी थी।

फसलों की विविधता को कम करेगी बढ़ती गर्मी

वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं।

मुकुल व्यास

इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं।

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया में फसलों की विविधता को कम कर सकती है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो विशाल क्षेत्र फसल विविधता खो सकते हैं, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया कि तापमान,वर्षा पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन किस तरह दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। शोध के परिणाम बताते हैं कि निम्न अक्षांश क्षेत्र, खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। साथ ही उगाई जा सकने वाली फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी। अध्ययन का नेतृत्व करने वाली शोधकर्ता सारा हेइकोनेन ने कहा कि विविधता के नुकसान का मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। कई अन्य फसलें भी असुरक्षित हैं जिनमें अनाज और दालों के अलावा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाली जड़ वाली फसलें शामिल हैं। जिमीकंद जैसी जड़ वाली फसलें कम आय वाले क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि ग्लोबल वार्मिंग 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैटी कुम्मू का कहना है कि जलवायु में अनुकूल बदलाव अधिक पैदावार की गारंटी नहीं देता है। जलवायु परिवर्तन से कुछ स्थानों पर उत्पादन बढ़ सकता है लेकिन वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे देश, खास कर अफ्रीकी देश पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि बढ़ते तापमान अन्य सामाजिक और आर्थिक दबावों के साथ मेल खाते हैं। कई कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में, खास तौर पर अफ्रीका में, दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में पैदावार कम है। ये देश उर्वरकों और सिंचाई तक अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन और भंडारण श्रृंखला के माध्यम से खाद्य नुकसान को कम करके वे

अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि वैश्विक गर्मी इन अनुमानों में बहुत अधिक अनिश्चितता जोड़ेगी और संभवतः और भी अधिक कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जैसे कि अनुरूप फसल का चयन करना और प्रजनन के नए तरीके अपनाना। मॉडल के जरिए अध्ययन और विश्लेषण करना आसान लगता है लेकिन यह समझना सबसे कठिन है कि बदलाव कैसे किए जाएं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कम अक्षांश वाले देशों में नीति-निर्माताओं को कृषि के इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर को पाटने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही अधिक प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसे प्रयासों के बिना स्थानीय समुदायों को, जो पहले से ही खाद्य कमी के खतरे में हैं, आने वाले वर्षों में और भी अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। दुनिया की खाद्य फसलों को सुरक्षित करना मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों के लिए किसानों और नीति निर्धारकों को लचीला बने रहना होगा। गर्मी नई फसलों के लिए द्वार खोल सकती है, लेकिन वैश्विक मांग और बाजार की ताकतों में बदलाव लोगों द्वारा खेती के लिए चुने जाने वाले तरीकों को और भी बदल सकते हैं। नई स्थितियों से निपटने के लिए किसानों द्वारा जो तरीके अपनाए जा सकते हैं, उनमें विभिन्न फसल किस्मों के साथ प्रयोग करना, रोपण के मौसमों को समायोजित करना तथा गर्म मौसम और कीटों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर हम भविष्य में अपनी खाद्य प्रणाली को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो हमें जलवायु परिवर्तन को कम करना पड़ेगा और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पड़ेगा। भले ही सबसे बड़े परिवर्तन भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में हों, हम सभी वैश्विक खाद्य प्रणाली के माध्यम से इन प्रभावों को महसूस करेंगे। अतः हमें इन समस्याओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना पड़ेगा। इस अंतर्संबंध का मतलब है कि दुनिया के एक हिस्से में जलवायु द्वारा संचालित फसल विफलताओं का असर समस्त सप्लाई चेन पर पड़ेगा, जिससे हर जगह खाद्य कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि जलवायु परिवर्तन को कम करना आवश्यक है, लेकिन एक गर्म और अधिक अप्रत्याशित ग्रह पर उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए बेहतर योजना बनाना भी उतना ही जरूरी है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

संपादकीय

पाक को दो टूक

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में पाक को चेताया है। उन्होंने सेना के सभी अंगों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि फिलहाल युद्ध स्थगित हुआ, खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ किया कि वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा कि भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। यह भी कि दो-तीन दशकों में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि टॉक और टेरर व ट्रेड और टेरर साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने आतंक की पोषक पाक सरकार को खुले शब्दों में चेताया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनका इशारा सिंधु समझौते को स्थगित करने की तरफ था। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि अब न्यू नॉर्मल है कि भारत ने आतंक की लड़ाई के खिलाफ नई लकीर खींच दी है। आतंक का अपनी शर्तों पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, न्यूक्लियर भयादोहन सहन नहीं होगा तथा आतंकवादियों तथा आतंक को पोसने वाली सरकार को अलग-अलग करके नहीं देखा जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को संरक्षण देने में पाक सरकार की सक्रिय भूमिका है। एक बार फिर पाक पोषित आतंकवाद दुनिया के सामने उजागर हुआ है। साथ ही कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज की समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने सेना के पराक्रम और भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं।

ऊर्जा संरक्षण में तकनीकी अहम भूमिका

(लेखक - मुकेश तिवारी)

20 साल पहले तक जन सामान्य द्वारा 100 वाट के विद्युत बल्ब इस्तेमाल में लाए जाते थे, लेकिन वर्तमान समय में बल्ब के स्थान पर 2- 4-5 और 10 वाट की सीएफएल को इस्तेमाल में लिया जा रहा है क्योंकि 2-4-5और 10वाट की सीएफएल विधुत बचत के साथ बल्कि बल्बों से ज्यादा पर्याप्त मात्रा में रोशनी देती हैं। फ्रिज, कूलर, हो या वाशिंग मशीन या अन्य कोई भी जनसामान्य के उपयोग में लाया जाने वाला उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा कुशल बनाया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत इस्तेमाल का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है। रेलवे ,ऑटोमोबाइल्स, उड्डयन इत्यादि में भी तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिक के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच , स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीको का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। ग्रीन स्विच जहां सामान्य स्विचों से काफी कम ऊर्जा से संचालित होते हैं ,वही जल्दी गर्म भी नहीं होते ।स्मार्ट एचवीएसी घरेलू आवास अथवा कार्यालय के रिक्त भाग में विद्युत खपत को सीमित करते हैं, और विद्युत का अनावश्यक उपयोग पर रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदको की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी हद तक काम कर देते हैं। वर्तमान समय में तकनीकी उन्नति के प्रयास अपनी चरम सीमा पर हैं, और इसमें दिन प्रतिदिन इजाफा भी होता जा रहा है ।आज तकनीकी का इस्तेमाल व्यक्तिगत, व्यावसायिक, प्रशासन और राजकीय सभी कार्यों में बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा रहा है ।बड़े कारोबारी संस्थानो लेकिन आप करमें आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वचालन के लिये हो रहा हैं , वहीं शासकीय संस्थानों आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी के प्रयोग से यहां जनजीवन ,व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है।

बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है। दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है ।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है ।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक और प्रौद्योगिकी में ऊर्जा का अधिकार अधिक उपयोग होता है लेकिन ऊर्जा संरक्षण में भी अब तकनीक का प्रत्यक्ष इस्तेमाल होने लगा है परिणाम स्वरुप अब ऊर्जा कुशल विसर्जन को अहमियत दी जा रही है ।20 साल पहले आमतौर पर 100 वाट के बल्ब उपयोग में ले जाते थे लेकिन अब उनके स्थान पर 2-4-5और 10 वाट की सीएफए का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है,, क्यों कि सीएफएल से पर्याप्त प्रकाश तो मिलता ही है और साथ ही बिजली की भी बचत होती है। कूलर ,फ्रिज हो अथवा वाशिंग मशीन या फिर अन्य कोई घरेलू विद्युत उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के उपयोग से उर्जा कुशल बनाया जा रहा है। तकनीक के उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत उपयोग का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है ।ऑटोमोबाइल्स, रेलवे, उड्डयन आदि में भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच, स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ।ग्रीन से काफी कम ऊर्जा को संचालित होते हैं वहीं जल्दी कम भी नहीं होती स्मार्ट हब एक घर या कार्यालय के रिक्त हिस्से में विद्युत खपत को सीमित करते हैं और विद्युत का अनावश्यक उपयोग रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदकों की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी कम कर देती है, यह भी सुनिश्चित करती है कि आवश्यक क्षेत्रों को हमेशा प्रकाशित रखा जा सके।

तकनीकी के सहयोग से बायोगैस, बायोमास,ज्वारीय ऊर्जा,पवन ऊर्जा, दीप्तिमान ऊर्जा,भूतापीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा,जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के स्त्रोतों को तलाशा और उपयोगी बनाया जा सकता है। अक्षय ऊर्जा के स्त्रोत शने -शने प्रचलित हो रहे हैं क्योंकि अक्षय ऊर्जा बनाने के लिए किसी भी संसाधन का हास नहीं होता। अक्षय ऊर्जा को नवी नवीनीकरण स्रोत भी कहा जाता है क्योंकि यह प्रकृति में निरंतर उत्पन्न हो सकती है। तकनीक से अक्षय ऊर्जा के बड़े स्रोतों को तलाश ने, पड़ताल करने से लेकर मानव उपयोग के लिए अनुकूल बनाने तक में हर स्तर पर काफी सहयोग मिलता है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से ऊर्जा संसाधनों के लिए उपयोग किए जाने वाले विश्व भर के प्रमुख बिजली संयंत्र में परमाणु ऊर्जा का दोहन और भंडारण किया गया है ।यहां तक की फुकुशिमा के परमाणु संयंत्र और चनोबिल संयंत्र जैसे रेडियोधर्मी रिसाब जोखिम वाले संस्थानों को भी तकनीकी की माध्यम से संचालित और नियंत्रित किया जा रहा है।

विधुत संरक्षण में बैटरियों का उपयोग

इन दिनों प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्युत संरक्षण के लिए बैटरियों का उपयोग किया जा रहा है ,जो ऊर्जा का भंडारण करती हैं तथा मोटर और मशीन को चलाने के लिए प्रयोग में लाई जाती है। पवन टरबाइन, पनबिजली इत्यादि संयंत्रो का बेहतर संचालन तकनीकी के कारण ही संभव हो सका है। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग अनेक संगठन परिवहन और यात्रा के संबंध में अवांछित गतिविधियों को ट्रैक कर यातायात को नियंत्रित करने में कर रहे है यातायात को नियंत्रित कर प्रत्यक्ष तौर पर अत्यधिक ऊर्जा का संरक्षण किया जा सकता है। ड्रोन और मॉनिटर का उपयोग भी इन दिनों बढ़ रहा है ।जिससे उपभोक्ताओं तक आवश्यक वस्तुओं का परिवहन और वितरण आसान होता जा रहा है, इससे ऊर्जा की खपत में कमी भी हुई है ।ऊर्जा के उपयोग की पड़ताल और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से मानवीय और प्रचालनगत त्रुटियों को समाप्त किया जा सकता है।

(चिंतन-मनन)

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

विचार मंथन

अमेरिका-चीन में ट्रेड सीजफायर, 90 दिन की अस्थाई राहत

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर रखा था। अमेरिका और चीन के बीच 90 दिनों के लिए टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच ट्रेड मे सीज फायर हो गया है। दोनों देशों के बीच यह समझौता राहत देने का फैसला है। जिसका सारी दुनिया स्वागत कर रही है। इस सीजफायर से दुनिया भर के शेयर बाजारों में सकारात्मक संकेत मिल गया है। निवेशकों में भी उम्मीद की एक किरण जागी है। वैश्विक आर्थिक मंदी के इस दौर में दोनों देशों के बीच जो समझौता हुआ है उससे दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। अमेरिका की ओर से 145प्रतिशत से टेरिफ़ घटाकर 30फीसदी और चीन की ओर से 125फीसदी से घटाकर 10फीसदी टैरिफ करना इस बात का संकेत है। दोनों पक्ष समाधान की दिशा की ओर बढ़ने के लिए गंभीर हैं। इस समझौते के बाद अमेरिकी किसानों को राहत मिलेगी। चीनी उत्पादों की अमेरिका में पुनः निर्यात संभव हो सकेगा। अमेरिका के आम नागरिकों को भी महंगाई से राहत मिलेगी। यह व्यापार युद्ध केवल दो देशों तक सीमित नही था। दोनों देशों की इस लड़ाई का दुनिया के अधिकांश देशों की आर्थिक गति को प्रभावित कर रहा था। कच्चे तेल से लेकर स्टॉक बाजार तक इसका असर पड़ा था। ऐसे में यह सीजफायर दोनों देशों के साथ-साथ अन्य देशों के लिए भी एक अवसर है। इससे जो बदलाव होगा उससे दोनों देशों के बीच टिकाऊ समाधान का रास्ता भी निकाल सकता है।

यह अस्थायी विराम है। दोनों देश यदि रचनात्मक वार्ता के माध्यम से आगे नहीं बढ़ेंगे, तो समस्या फिर से गहरा सकती है। आवश्यक है, अमेरिका और चीन व्यापारिक टकराव की बजाय सहयोग का रास्ता अपनाएं। जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित हो सके। चीन से कच्चा माल और पार्ट्स इत्यादि नहीं मिलने के कारण अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। अमेरिका में महंगाई बढ़ती जा रही है। लोगों को जरूरी सामान नहीं मिल रहा है। ट्रंप की लोकप्रियता अमेरिका और यूरोप के देशों में तेजी के साथ घटी है। वहीं दूसरी तरफ चीन में बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है। चीन का उत्पादन टैरिफ वार के चलते काफी कम हो गया है। जिसके कारण चीन की अर्थव्यवस्था मे गिरावट बनी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो टैरिफ वार शुरू किया गया था। इसका असर यूरोप सहित दुनिया के कई देशों में पड़ा है। अमेरिका के रूख में बदलाव आने के बाद यह आशा की जा सकती है, आर्थिक मंदी के इस दौर में चीन और अमेरिका के बीच में टैरिफ को लेकर जो समझौता हुआ है, उसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

दुनिया के सभी देशों को आर्थिक मंदी और वैश्विक अर्थव्यवस्था को संभालने का अवसर मिलेगा। अमेरिका और चीन के बीच में जो समझौता हुआ है। इसका फायदा करोड़ों

लोगों को मिलेगा। इसलिए यह फैसला स्वागत योग्य है।

सुरक्षाबलों ने शोपियां में लश्कर के एक आतंकी किया ढेर, दो जिंदा गिरफ्तार

खुफिया जानकारी मिलने पर चलाया था सर्च ऑपरेशन, हथियार के साथ दस्तावेज भी हुए बरामद

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने एक सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया है। दक्षिण कश्मीर के जिनपथेर केलर इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को मार गिराया गया, जबकि दो आतंकियों को जिंदा गिरफ्तार कर सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान हथियार और दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, खुफिया सूत्रों से सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि शोपियां के जम्पाथरी क्षेत्र में कुछ आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। जैसे ही आतंकियों को घेरा गया, उन्होंने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े सदस्य के रूप में हुई है। वहीं, दो आतंकियों ने भागने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें दबोच लिया। पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है।

मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से भारी मात्रा में गोला-बारूद, असलहे और कई संवेदनशील दस्तावेज बरामद हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद दस्तावेजों और गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ के आधार पर आतंकी नेटवर्क को लेकर और भी अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। इस ऑपरेशन को स्थानीय नागरिकों की सतर्कता और खुफिया एजेंसियों के तालमेल का परिणाम बताया जा रहा है।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि भविष्य में किसी भी आतंकी घटना को समय रहते रोका जा सके।

पाक आतंकियों के पोस्टर जारी

इससे पहले मंगलवार को ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम हमले में शामिल तीन पाकिस्तानी आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं।

इन आतंकियों की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में इन आतंकियों की तस्वीरें सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा की गई हैं।

पाकिस्तान को पीएम मोदी की दो टूक चेतावनी.....परमाणु ब्लैक्मेल बर्दाश्त नहीं

विकसित भारत के सपने को पूरा करने भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी

नई दिल्ली।

भारत द्वारा आपरेशन बुद्ध मुस्कुराये के तहत किए गए पहले परमाणु परीक्षण के पांच दशक बाद सोमवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि इस्लामाबाद के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद पहली बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा का जिक्र किया और कहा कि भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर गुजरता है। मानवता, शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है और जरुरत पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है और पिछले कुछ दिनों में भारत ने यही किया है। भारत ने 1974 में जब पहला परमाणु परीक्षण किया था उस दिन बुद्ध पूर्णिमा थी। इसी प्रकार 11 मई 1998 को जब दूसरा परमाणु परीक्षण किया गया तो उस दिन भी बुद्ध पूर्णिमा थी। भारत के दूसरे परमाणु परीक्षण का कूट नाम यद्धपि आपरेशन शक्ति था किंतु इसे बुद्ध दोबारा मुस्कुराये नाम से याद किया जाता है। बुद्ध मुस्कुराये यह कोड संदेश पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को तब भेजा गया था जब भारत ने 18 मई 1974 को राजस्थान के पोखरण टेस्ट रेंज में सफलतापूर्वक अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था इस दिन बुद्ध पूर्णिमा थी। इसलिए, कोडनेम दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि अब भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं। मोदी ने पूरी दृढ़ता और चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि हमने पाकिस्तान के खिलाफ अभियान को केवल स्थगित किया है और भविष्य उनके व्यवहार पर निर्भर करेगा।

पहलगाम आंतकी हमला: भारत ने अमन की आस छोड़....जिन्ना के देश पर एक्शन शुरु किया

नई दिल्ली।

पहलगाम में 26 बेकसूर सैलानियों की हत्या भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास का कमजोर मोड़ था जहां से चीजें बदल गई। आतंकियों की इस करतूत से भारत स्तब्ध था। 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद बीते 5 साल में भारत पाकिस्तान के संबंधों में मामूली सा सुधार हो रहा था। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी की हसीन वादियां पर्यटकों से गुलजार हो रही थीं। तभी पहलगाम में आर्तकियों ने पर्यटकों को धर्म पूछकर उन्हें मार डाला। इस घटना ने भारत-पाकिस्तान संबंधों के सारे नियम बदल दिए। बात दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच 47 से ही रिश्ते खराब थे। लेकिन इस रिश्ते को पटरी पर लाने के लिए बीच बीच में पहल की गई। अमन की आशा ऐसी ही एक पहल थी। यह दौर भारत की उस नीति का हिस्सा था, जिसमें पाकिस्तान के साथ बातचीत, व्यापार, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की गई। 1990 और 2000 के दशक में भारत ने कई बार शांति वार्ता की पहल की, जैसे 1999 में पीएम वाजपेयी की लाहौर बस यात्रा और 2001 में आगरा शिखर सम्मेलन शामिल था। हालांकि इस दौरान भी पाकिस्तान अपने स्टैंड पर कायम रहा और भारत को चोट देने की नापाक कोशिश करता रहा। लेकिन आईएसआई के टेरर टैक्टिस, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद की करतूतों ने भारत की अपेक्षाओं पर कुठाराघात किया। भारत में यह धारणा मजबूत हुई कि पाकिस्तान की सरकार और सेना शांति वार्ता का इस्तेमाल केवल दिखावे के लिए करती है, जबकि सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देती है। इन्ही परिस्थितियों में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। हमले की टाइमिंग महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यह घटना तब हुई जब पीएम मोदी सऊदी अरब दौरे के पर थे। जबकि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। हमले के बाद सऊदी अरब का दौरा रद्द कर स्वदेश लौटे पीएम मोदी ने कहा कि इस जघन्त करतूत को अंजाम देने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं के परिणाम किए घोषित, देवांशी बनी टॉपर

जयपुर।

सीबीएसई ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। जयपुर में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कुल मिलाकर 2.70 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इनमें 1.30 लाख छात्र 12वीं कक्षा के थे। इसमें जयपुर की यशस्वी ने 99 फीसदी नंबर हासिल कर टॉप किया है। परीक्षाएं 15 फरवरी से 4 अप्रैल 2025 के बीच आयोजित की गईं। छात्र अपना रिजल्ट तीन वेबसाइट्स पर देख सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए छात्रों को अपना रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल नंबर और जन्म तिथि की जानकारी देनी होगी। बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों को फर्जी खबरों से सावधान रहने की सलाह दी है। उन्हें केवल आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। लॉगिन विवरण भरने के बाद छात्र अपनी डिजिटल मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे। पिछले साल 2024 में कक्षा 12वीं में 16.21 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 87.98 फीसदी छात्र पास हुए थे। बोर्ड ने पिछले साल 13 मई को नतीजे जारी किए थे। छात्रा उर्मिला आनंदका ने 12वीं में 96 फीसदी अंक हासिल किए। उर्मिला आनंदका ने 12वीं में 96 फीसदी अंक हासिल किए। छात्र आर्थक खंडेलवाल ने 12वीं में 95.6फीसदी अंक हासिल किए। वहीं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं का परिणाम भी जारी कर दिया है। इस साल कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त हुईं थीं। जयपुर में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कुल मिलाकर 2.70 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें 1.40 लाख छात्र-छात्राएं 10वीं कक्षा के थे। छात्र अपना रिजल्ट देखने के लिए रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल नंबर और जन्म तिथि का इस्तेमाल कर सकते हैं। लॉगिन विवरण भरने के बाद वे अपनी डिजिटल मार्कशीट डाउनलोड कर संकेंगे। पिछले साल 2024 में कक्षा 10वीं में 22.38 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। इनमें से 93.60 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए थे। बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों को फर्जी खबरों से सावधान रहने की सलाह दी है। उन्हें केवल आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

पाकिस्तान की खुली पोल, राफेल पायलट शिवांगी को पकड़ने का किया था दावा

शिवांगी के पिता बोले- खबर सुनकर हुई थी चिंता, थोड़ी देर में ही दुश्मन का झूठ आ गया सामने

वाराणसी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें कांधार प्लेन हाइजैक, मुंबई हमले में शामिल बड़े आतंकियों समेत 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। 1971 के बाद यह पहली बार था, जब तीनों सेनाओं ने मिलकर किसी ऑपरेशन को अंजाम दिया था। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारत के 5 लड़ाकू विमान मार गिराए। एक दावा यह भी है कि भारतीय वायु सेना की पहली महिला राफेल पायलट शिवांगी सिंह को एयर स्ट्राइक के दौरान पाकिस्तान ने अपना निशाना बनाया है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के लोगों का दावा है कि शिवांगी बचने के लिए फाइटर जेट से कूद गईं और पाकिस्तानी सेना ने उसे पकड़ लिया। हालांकि, कुछ घंटों बाद भारत ने पाकिस्तान में चल रहे इन दावों को खारिज कर दिया था। वाराणसी की रहने वाले शिवांगी के पिता कुमारेश्वर सिंह ने बताया कि जिस दिन यह खबर वायरल हुई, उस दिन हमें थोड़ी चिंता थी, लेकिन हम किससे पूछने जाते? कुछ देर बाद हमें सच्चाई पता चली, तो राहत की सांस ली और दुश्मन देश का झूठ सबके सामने आया गया। पिता कुमारेश्वर कहते हैं कि हमारी बेटी सुरक्षित है। हम सभी खुश हैं। वह देश सेवा कर रही है। हालांकि, पिता ने कैमरे पर बातचीत करने से मना कर दिया।

शिवांगी सिंह साल 2017 में भारतीय वायुसेना में शामिल हुई थीं। वाराणसी में उनका परिवार रह रहा है। शिवांगी की मां का नाम सीमा सिंह हैं। वहीं, दो भाई मयंक, शुभांशु और एक बहन हिमांशी सिंह हैं। शिवांगी वाराणसी में पली-बढ़ीं और बीएचयू से एनसीसी करने के बाद भारतीय वायुसेना की राफेल स्क्वॉड्रन की पहली महिला फाइटर पायलट बनने का सौभाग्य हासिल किया। वाराणसी ही नहीं, देश में भी वायुसेना की ओर से बतौर फ्लाइट लेफ्टिनेंट शिवांगी सिंह राफेल पर नजर आईं।

महिला लड़ाकू पायलटों के दूसरे बैच के हिस्से के रूप में शिवांगी सिंह को साल-2017 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला था। शिवांगी ट्रेनिंग के बाद अंबाला में मौजूद वायुसेना की 17 स्क्वॉड्रन गोल्डन एरो में शामिल हुईं।

वायुसेना में 2017 में शामिल होने के बाद से ही शिवांगी मिग-21 बाइसन जैसा विमान उड़ा रही हैं। वह अंबाला में भारत के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलटों में से एक विंग कमांडर अभिनंदन के साथ भी रह चुकी हैं।

भारत हर साल 100 ब्रह्मोस बनाएगा, सेना होगी और अधिक ताकतवर

नई दिल्ली।

एक झटके में पाकिस्तान को औकात दिखाने वाली भारत की सेना अब और अधिक मजबूत होगी। यहां अत्याधुनिक हथियार और सिस्टम पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है साथ हर साल 100 ब्रह्मोस बनाने का भी निर्णय लिया गया है। भारत ने रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया, जो उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया। यह वही ब्रह्मोस है, जिसने हाल ही में पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बना कर दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता का अहसास कराया था। लखनऊ की इस अत्याधुनिक यूनिट में अब ब्रह्मोस मिसाइल के मौजूदा संस्करणों के साथ-साथ अगली पीढ़ी की हल्की ब्रह्मोस-एनजी मिसाइलें भी तैयार की जाएंगी।

ये मिसाइलें जमीन, समुद्र और हवा, तीनों मोर्चों से दुश्मन पर धावा बोलने में सक्षम हैं। यह यूनिट हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनाएगी और भविष्य में 100 से 150 एनजी वर्जन तक का उत्पादन करेगी। डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस मिसाइल की गति मैक 2.8 (करीब 3,430 किमी प्रति घंटे) है और इसकी मारक क्षमता 400 किमी तक है।इस यूनिट को 300 करोड़ रुपये की लागत से 80 हेक्टेयर जमीन पर तैयार किया गया है, जो उत्तर प्रदेश सरकार ने मुफ्त दी थी। इसी परिसर में टाइटेनियम और सुपर एलॉय से जुड़ा स्ट्रैटेजिक मटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स भी बनेगा, जो डिफेंस ग्रेड सामग्री तैयार करेगा। इसके अलावा एक विशेष डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम की आधारशिला भी रखी गई है।पाकिस्तान द्वारा सिरसा की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागने के बाद भारत ने 10 बड़े एयरबेसों पर करारा जवाब दिया था। इनमें नूर खान, रफीकी, सर्गोधा, मुरिद, सक्कुर, स्कर्दू, सियालकोट, पासरूर, जैकबाबाद और भोलारी जैसे अहम बेस शामिल थे। इन ठिकानों पर ब्रह्मोस, हैमर और स्कैल्प मिसाइलों से हमला किया गया। नूर खान बेस पर हुआ हमला सबसे अहम माना गया क्योंकि यह पाकिस्तान की एयर लॉजिस्टिक्स और न्यूक्लियर योजना से जुड़ा केंद्र था।

राहुल के बिहार दौरे से पहले कांग्रेस के 17 नेताओं ने की बीजेपी ज्वाइन

अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों को अलग-थलग कर दिया

पटना।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे से कुछ ही दिन पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कटिहार जिले के 17 प्रमुख नेता कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में चले गए हैं। यह राजनीतिक बदलाव वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के सांसद तारिक अनवर के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ हुआ है। इससे पार्टी में दरार और गहरी हो गई है और बिहार में कांग्रेस की ताकत पर सवाल उठ रहे हैं।

इस नाटकीय बदलाव का नेतृत्व कांग्रेस से जुड़े श्रमिक संगठन आईएनटीयूसी के अध्यक्ष विकास सिंह ने किया। उन्होंने तारिक अनवर पर अपने कार्यों और बयानबाजी दोनों में उच्च जाति विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है।

आने वाले दिनों में सैकड़ों-हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सिंह के मुताबिक 17 प्रभावशाली उच्च जाति के कांग्रेस नेताओं का पाला बदलने का फैसला तारिक अनवर के कथित पक्षपात और रवैये के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से उपजा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग कर दिया है। कटिहार में एक प्रभावशाली मतदाता समूह, जहां जातिगत गतिशीलता अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देती है।

नेताओं का पलायन और जातिगत आक्रोश ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले से ही इंडिया ब्लॉक के भीतर आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है।

यह घटनाक्रम तारिक अनवर के पारंपरिक समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं और उनकी छवि को धूमिल कर सकते हैं।

अनवर के नेतृत्व में लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला कटिहार अब राजनीतिक रूप से कमजोर दिख रहा है। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाला उच्च जाति समुदाय अब कांग्रेस से दूर जा सकता है।

दुनिया में हो रही भारत के एयर डिफेंस सिस्टम की सराहना, बताया- एक नए युग का संकेत

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान पर जिस सटीकता से मिसाइलें दागी हैं और अपने एयर डिफेंस सिस्टम से खुद को बचाया है इसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को चौंका दिया है। माना जा रहा है कि ये दुनिया में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को सफलता से निशाना बनाने वाले भारत ने एयर डिफेंस की फील्ड में भी पूरी दुनिया को चौंका कर रख दिया है। भारत की कामयाबी केवल इसमें नहीं है कि उसने आतंकी ठिकानों को तबाह किया बल्कि पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और भेजे गए हजारों ड्रोनों को अपनी हवाई सीमा में घुसते ही मार गिराया। अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट जान स्पेंसर ने कहा कि भारत की कामयाबी एयर डिफेंस के एक नए युग की ओर इशारा कर रही है। जान स्पेंसर ने एक लेख में कहा कि भारत ने स्वदेश में विकसित और विदेशों से खरीदी गई मिसाइलों के जरिये एयर डिफेंस का एक ऐसा मल्टी लेयर सिस्टम तैयार किया है, जिसने भेदना एक तरह से नामुमकिन ही है। भारत के ये एयर डिफेंस सिस्टम आकाश और क्यूआरएसएएम जैसे स्वदेशी रूप से निर्मित प्लेटफार्मों का मिश्रण है। जिसे इजरायली बराक-8 सिस्टम और रूस में बने एस-400 के साथ जोड़ा गया है।

ये मल्टी लेयर एयर डिफेंस सिस्टम- लंबी, मध्यम और छोटी दूरी की मिसाइलों से बना है। इनको सुरक्षा के एक सहज, मल्टी लेयर नेट में एक साथ काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। जान स्पेंसर के मुताबिक दूसरी ओर पाकिस्तान ने एयर डिफेंस के लिए मुख्य रूप से चीन में बने एचक्यू-9/पी (एस-300 के समान एक लंबी दूरी का सिस्टम), एनवाय-80 और एफएम-90 जैसी चीनी निर्मित प्रणालियां तैनात की हैं। ये सिस्टम कागज पर सक्षम हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीबीएसई बोर्ड द्वारा जारी 12वीं के रिजल्ट में यूपी के कुल 80 प्रतिशत स्टूडेंट पास

प्रयागराज।

सीबीएसई बोर्ड ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया है। यूपी में कुल 80 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 9 प्रतिशत ज्यादा रहा। एग्जाम में लड़कियों का पास प्रतिशत 85.82, जबकि लड़कों का 76.10 प्रतिशत रहा। उत्तर प्रदेश के रीजनल सेंटर में सबसे ज्यादा नोएडा के 81.29 प्रतिशत, जबकि सबसे कम प्रयागराज के 79.53 प्रतिशत छात्रों ने बाजी मारी। वहीं तीसरे रीजन देहरादून का रिजल्ट सबसे ज्यादा 83.45 प्रतिशत के साथ 13वें नंबर पर रहा। मेरठ के करन पिलानिया के 500 में से 499 अंक आए हैं। उनके 99.80 प्रतिशत मार्क्स हैं। स्कूल प्रशासन का दावा है कि करन इंडिया की टॉप स्टूडेंट की सूची में हो सकते हैं। करन के पिता बबलू सिंह बीएसएफ में हैं। फिलहाल वे राजौरी में बॉर्डर पर तैनात हैं। बेटे ने 12वीं में मोर्चा मारा, तब वह बेहद खुश हो गए। यूपी रीजनल सेंटर में प्रयागराज 17वें और नोएडा 16वें नंबर पर रहा। देश के 17 रीजनल सेंटर में 99.60 प्रतिशत के साथ त्रिवेंद्रम टॉप पर है। दूसरे नंबर पर 99.32 प्रतिशत के साथ विजयवाड़ा, 97.39 प्रतिशत के साथ चेन्नई तीसरे नंबर पर रहा।

ड्रोन अटैक में घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत, पति और बेटे का इलाज जारी

अमृतसर।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच फिरोजपुर के खाई गांव में ड्रोन अटैक में घायल हुई महिला सुखविंदर कौर की लुधियाना के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। जबकि, इसी हादसे में घायल हुए उनके पति लखविंदर सिंह और बेटे का अभी इलाज जारी है। सरकार ने परिवार को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। उधर, सीजफायर के ऐलान के बाद भी लगातार सोमवार रात तीसरे दिन पंजाब में ड्रोन दिखाई दिए। होशियारपुर में ड्रोन दिखाई दिए। हालांकि, आर्मी की टीम ने इन्हें हवा में ही गिरा दिया। इसके बाद होशियारपुर के दसूहा और मुकेरियां में ब्लैकआउट कर दिया गया। दोनों जगह 5 से 7 धमाके सुने गए। इसके अलावा जालंधर के मंड में एक ड्रोन मार गिराया। प्रशासन ने सुरानुसी में ब्लैकआउट कराया। अमृतसर में रात को कुछ देर के लिए ब्लैकआउट रहा। साथ ही दिल्ली से आने वाली फ्लाइट को यहां लैंड नहीं होने दिया और मानसा से ही लौटा दिया गया।

श्रीनगर एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू, दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट हुई लैंड

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के 6 दिन बाद मंगलवार को श्रीनगर एयरपोर्ट के फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हुए हैं। दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट दोपहर 12:49 बजे लैंड हुई। भारत-पाक तनाव के चलते श्रीनगर एयरपोर्ट 7 मई से बंद था। दिल्ली एयरपोर्ट से चंडीगढ़, अमृतसर और श्रीनगर जाने वाली कई फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पहले बताया था कि सुरक्षा कारणों की वजह से फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। एअर इंडिया ने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे 8 शहरों में आने-जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इसमें जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट शामिल है। बीती रात राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ड्रोन दिखने के बाद इंडिगो ने भी 6 शहरों में सभी उड़ानें रद्द कर दीं। इसमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट एयरपोर्ट शामिल हैं। दिल्ली से अमृतसर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को सोमवार शाम ब्लैकआउट के कारण वापस लौटना पड़ा। भारत-पाक सीजफायर के बाद सोमवार को 32 एयरपोर्ट्स खोल दिए गए थे। इनमें अभी फ्लाइट ऑपरेशन्स शुरू नहीं हुए हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने सीडीएस और सेना प्रमुखों के साथ की बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और देश के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा बैठक की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को दहला दिया था जिसके बाद उसकी गुहार पर दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू हुआ। भारत और पाकिस्तान ने चार दिनों तक सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद जमीन, हवा और समुद्र में किसी भी तरह के संघर्ष को तुरंत खत्म करने पर सहमति जाहिर की थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इसकी औपचारिक घोषणा की थी।

'निर्दोषों का खून बहाने का अंजाम सिर्फ महाविनाश है', आदमपुर एयरबेस में बोले पीएम मोदी

आदमपुर/नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के बाद मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचकर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश सशस्त्र बलों का आभारी रहेगा। भारत माता की जय घोष की ताकत दुनिया ने देखी है और निर्दोषों का खून बहाने का एक ही अंजाम महाविनाश है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, भारत माता की जयघोष' की ताकत अभी-अभी दुनिया ने देखी है। भारत माता की जय, ये सिर्फ उद्घोष नहीं है। ये देश के हर उस सैनिक की शपथ है, जो मां भारती की मान-मर्यादा के लिए जान की बाजी लगा देता है। ये देश के हर उस नागरिक की आवाज है, जो देश के लिए जीना चाहता है, कुछ कर गुजरना चाहता है। भारत माता की जय, मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। उन्होंने कहा, मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी ने अपने लक्ष्य को पूर्णता के साथ हासिल किया। पाकिस्तान में न केवल आतंकवादी शिविर और उनके हवाई अड्डे नष्ट किए गए, बल्कि उनके नापाक मंसूबों और दुस्साहस को भी परास्त किया गया। पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा, जब भारत के सैनिक मां भारती की जय बोलते हैं, तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं। जब हमारे ड्रोन दुश्मन के किले की दीवारों को ढहा देते हैं, जब हमारी मिसाइलें सनसनाती हुई निशाने पर पहुंचती हैं, तो दुश्मन को सुनाई देता है, भारत माता की जय। ऑपरेशन सिंदूर से घबराकर दुश्मन ने आदमपुर समेत हमारे कई अन्य एयर बेस पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने हमें बार-बार निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तान के नापाक मंसूबे हर बार नाकाम हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने वायुसेना के शौर्य को सलाम किया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने करोड़ों भारतीयों को गौरवान्वित किया है। आपने इतिहास रचा है और मैं आपसे मिलने के लिए आज सुबह आपके बीच आया हूं। पीएम मोदी ने पाकिस्तान को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब हमारी फौजें न्यूक्लियर ब्लैकमेल की धमकी की हवा निकाल देती हैं, तो आकाश से पाताल तक एक ही बात गूंजती है, भारत माता की जय। आप सभी ने वाकई कोटि-कोटि भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया है। हर भारतीय का माथा गर्व से ऊंचा कर दिया है। आपने इतिहास रच दिया है। पीएम ने कहा, जब वीरों के पैर धरती पर पड़ते हैं, तो धरती धन्य हो जाती है। जब वीरों के दर्शन का अवसर मिलता है, तो जीवन धन्य हो जाता है। इसलिए मैं आज सुबह-सुबह ही आपके दर्शन करने के लिए यहां पहुंचा हूं। आज से अनेक दशक बाद भी जब भारत के इस पराक्रम की चर्चा होगी, तो उसके सबसे प्रमुख अध्याय आप और आपके साथी होंगे। आप सभी वर्तमान के साथ ही देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नई प्रेरणा बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जवानों की तारीफ करते हुए कहा, दशकों बाद भी जब भारत के साहस को याद किया जाएगा, तो आपका अध्याय सबसे अधिक मनाया जाएगा। आप आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। मैं वायुसेना, नौसेना, सेना और बीएसएफ के बहादुर जवानों को सलाम करता हूं।आपकी बेमिसाल वीरता के कारण ही ऑपरेशन सिंदूर की गूंज आज हर जगह सुनाई देती है।

पहला कॉलम

सावी जैन ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में देशभर में किया टॉप, 500 में से 499 अंक प्राप्त किए

शामली।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है और इस बार उत्तर प्रदेश के शामली जिले ने देशभर में नाम रोशन किया है। शामली की सावी जैन ने 500 में से 499 अंक हासिल कर ऑल इंडिया टॉपर का खिताब अपने नाम किया है। सावी शामली के मोहल्ला शिव चौक की निवासी हैं और स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा हैं। उनके पिता अंकित जैन स्थानीय स्तर पर फर्नीचर शोरूम संचालित करते हैं, जबकि उनकी माता कविता जैन गृहिणी हैं। अपनी इस सफलता पर सावी ने कहा कि मेरी इस उपलब्धि के पीछे मेरे माता-पिता और शिक्षकों का बड़ा योगदान है। जब भी किसी विषय में उलझन होती थी, वे मेरा मार्गदर्शन करते और मेरा मनोबल बनाए रखते थे। सावी पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखते हुए हर विषय को गहराई से समझने में विश्वास रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे रोज़ पढ़ाई का एक निश्चित समय तय करती थीं और कठिन विषयों पर अतिरिक्त मेहनत करती थीं। सावी जैन का लक्ष्य सिर्फ अच्छे अंक लाना नहीं है। उनका सपना है कि वे आगे चलकर सिविल सर्विस में जाएं और देश की सेवा करें। सावी जैन का कहना है कि मैं प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हूं ताकि जमीन से जुड़कर समाज के लिए काम कर सकूं। गौरतलब है कि सावी जैन ने 500 में से 499 अंक प्राप्त किए हैं। वह देशभर में सीबीएसई 12वीं की ऑल इंडिया टॉपर बनीं हैं। वह स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल, शामली की छात्रा हैं। परिवार, स्कूल और शहर में इस उपलब्धि को लेकर खुशी की लहर है। इस बार 10वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल के छात्र धैर्य गर्ग 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बने। 12वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सावी जैन ने कला वर्ग में 99.8 प्रतिशत अंक पाकर जनपद टॉपर बनने के साथ ही ऑल इंडिया स्तर पर रैंक एक पर रहकर जनपद का नाम रोशन किया।

भारत के हाथों हुई अपनी पिटाई को प्रतिवर्ष सेलिब्रेट करेगा पाकिस्तान, शाहबाज ने किया ऐलान

नई दिल्ली।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक की थीं। इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकी हमले रोकने की बात न करके उलटे भारत पर ही हमले शुरू किए थे। इस पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कुछ घंटों में घुटनों पर ला दिया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अगले ही दिन से सीजफायर की इशारों में बात करने लगे थे। आसिफ का कहना था कि यदि भारत आगे कुछ न करे, तब हम एक्शन नहीं लेने वाले है। अंत में पाकिस्तान के नरम पड़ने के बाद भारत ने भी सीजफायर को स्वीकार कर लिया। यह सीजफायर 10 मई को लागू हुआ था और मजे की बात ये हैं कि इस दिन को पाकिस्तान अब हर साल सेलिब्रेट करेगा। पाक का कहना है कि इस दिन को हम मरका-ए-हक के तौर पर प्रति वर्ष सेलिब्रेट करने वाले है। खुद पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल से 10 मई तक जो हुआ, वह पाकिस्तानी रक्षा इतिहास का शानदार अध्याय रहेगा। वैसे यह शानदार है या फिर शर्मनाक है, यह भी एक सवाल है। 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला किया था और उस तारीख को शरीफ अपने रक्षा इतिहास के शानदार अध्याय में शामिल कर रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान दावा कर रहा है कि अच्छी टक्कर दी, वहीं आज स्वीकार कर लिया कि 11 सैनिकों सहित 51 लोग उसकी तरफ से मारे गए हैं। वहीं भारतीय सेना का कहना है कि 6-7 मई की रात को जो एयरस्ट्राइक की गई थी, उसी में करीब 100 आतंकियों को खत्म कर दिया गया था।

पहले ट्रंप ने कश्मीर पर मध्यस्थता की कोशिश की थी, तब भारत ने 370 हटाकर दिया था मैसेज

नई दिल्ली।

पाकिस्तान अमेरिका की घोर बेइज्जती करने में कसर नहीं छोड़ता है। इधर भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ उधर महज 3 घंटे बाद पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन करते हुए गोलाबारी शुरु कर दी। जबकि ये सीजफायर अमेरिका के कहने पर ही हुआ था। भारत ने बात मान ली लेकिन अमेरिका को पाकिस्तान ने साफ संदेश दे दिया आप कौन? फिर भी अमेरिका दोनों देशों के बीच कश्मीर मसला हल कराने के लिए मध्यस्थता करने की बार बार गुहार लगा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने कश्मीर पर मध्यस्थता की बात की हो। 22 जुलाई 2019 को ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने का अनुरोध किया था। उस वक्त ट्रंप के साथ पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान बैठे थे। हालांकि भारत ने ट्रंप के मध्यस्थता वाले दावे को तुरंत खारिज कर दिया और विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने संसद में स्पष्ट किया कि ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया गया। इसके दो ही हफ्तों बाद, 5 अगस्त 2019 को, भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया। यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। 370 हटाने के साथ, जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू और कश्मीर, और लद्दाख) में विभाजित कर दिया गया। इस कार्रवाई को कई विश्लेषकों ने भारत के उस रुख के रूप में देखा, जिसमें वह कश्मीर को अपना आंतरिक मामला मानता है और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, दोनों देशों के बीच चार दिन तक चले सैन्य तनाव के बाद संघर्षविराम हुआ, जिसे ट्रंप ने अमेरिकी मध्यस्थता का परिणाम बताया। हालांकि, भारत कश्मीर पर इस तरह के प्रस्ताव को सिरे से खारिज करता रहा है और अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कश्मीर पर कोई तीसरा पक्ष मध्यस्थता नहीं कर सकता। भारत ने इस मुद्दे पर केवल एक ही बिंदु पर बातचीत की संभावना जताई- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी और आतंकवादियों को सौंपने की मांग। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए। इसने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को बढ़ा दिया। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया और ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। जवाब में, पाकिस्तान ने भारतीय शहरों पर ड्रोन हमले किए, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। चार दिन की इस तीव्र सैन्य कार्रवाई ने व्यापक युद्ध की आशंका को जन्म दिया, क्योंकि दोनों देश परमाणु हथियारों से लैस हैं। 10 मई, 2025 को दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ने संघर्षविराम की घोषणा की।

एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 को पहुंच रहे दिल्ली, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को अगले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी साझा की जाएगी। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, चुनावी राज्य बिहार सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 मई को दिल्ली आ रहे है। सूत्रों के अनुसार ये नेता शनिवार को घोषित हमलों और उसके बाद संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले है। सोमवार की शाम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद, सहयोगी दलों ने सरकार की कार्रवाई के समर्थन में एकजुटता दिखाई, जो पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पीएम मोदी के संबोधन ने भारत के नए सिद्धांत को आकार दिया है। उन्होंने पोस्ट में कहा कि उनका संबोधन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के लिए एक सख्त चेतावनी और दुनिया के लिए ताकत का एक स्पष्ट संदेश था। आज बुद्ध पूर्णिमा है और हम शांति के मार्ग को याद करते हैं। लेकिन, जैसा कि इतिहास हमें सिखाता है, स्थायी शांति ताकत के माध्यम से सुरक्षित होती है। हम शांति के मार्ग पर चलते हैं, लेकिन हम आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का भी अभ्यास करते हैं।

धोखेबाज पाकिस्तान कभी भी कर सकता है हमला, 7 शहरों की फ्लाइट कर दीं रद्द

नई दिल्ली।

भले ही भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ है लेकिन धोखेबाज पाकिस्तान कभी भी हमला कर सकता है। ऐसे में ऐहतिहात के तौर पर इंडिगो और एयर इंडिया ने 7 शहरों की फ्लाइट रद्द करने का फैसला लिया है। इनमें श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ और तीन अनय शहर शामिल हैं। एयर इंडिया ने जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़, राजकोट का टू वे फ्लाट ऑपरेशन रद्द कर दिया है। ये हवाई अड्डे उन हवाई अड्डों में शामिल हैं जिन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर अस्थायी रूप से बंद करने के बाद सोमवार को नागरिक उड़ानों के लिए पुनः खोल दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, सोमवार शाम को अमृतसर जाने वाला इंडिगो का एक विमान अमृतसर में एहतियाती 'ब्लैकआउट' उपाय लागू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। वहीं इंडिगो ने जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट की फ्लाइट कैंसल की हैं। विमानन कंपनी ने सोमवार रात 11 बजकर 38 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर और आपकी सुरक्षा को हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें 13 मई 2025 के लिए रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसकी टीम सक्रियता से स्थिति पर नजर रख रही हैं।बता दें कि सोमवार को ही इन एयरपोर्ट्स पर आम लोगों के लिए सेवा शुरू की गई थी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोमवार को ऐलान किया था कि अस्थायी रूप से बंद किए गए 32 एयरपोर्ट को फिर से खोला जा रहा है। अधमपुर, अंबाला, अवंतिपुरा, बठिंडा, बीकानेर, हिंडन, जैसलमेर, कांडला, कांगड़ा, केशोड, किणनगढ़, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर एयरपोर्ट से आम यात्रियों के लिए ऑपरेशन शुरू करने का ऐलान कर दिया गया था।

मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर उगला जहर

नई दिल्ली।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, इनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है। यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था। वहीं अब यूनुस ने बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात राज्यों के लिए एक एकीकृत आर्थिक योजना का आह्वान कर कहा कि इन देशों और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग रहने की अपेक्षा एक साथ रहने पर अधिक लाभ होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नए सिद्धांत को आकार दिया- नायडू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को अपने भाषण में यह संदेश दिया कि भारत की सरकार आतंकवाद के खिलाफ कड़ी सख्ती से लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की नीति आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस पर आधारित है। इसके साथ ही, उन्होंने पाकिस्तान को केवल पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) और आतंकवाद पर मुद्दा उठाने की बात कही। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री की इस कदर सराहना की कि उन्होंने भारत को नए सिद्धांतों की ओर बढ़ाया। वे भी मानते हैं कि शांति के लिए लड़ना जरूरी है, परंतु स्थायी शांति की गारंटी केवल ताकत में है। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर में सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की। यहाँ भारत ने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करके आतंकवादी संगठनों को झटका दिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी प्रधानमंत्री की इस नीति की सराहना करते हुए यह कहा कि भारत की सेनाएं और नागरिकों का मनोबल बढ़ गया है। वे भी साझा करते हैं कि हर भारतीय का सुरक्षा में योगदान निवृत्त न होगा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इस संदेश के माध्यम से, भारत ने अपनी कड़ी नीति का संकेत दिया है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में निष्ठावान रहने का संकल्प दिखाया है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट-अनुष्का

मथुरा।

किंग कोहली के नाम से मशहूर क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। इस भेंट के दौरान संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हम अपने प्रभु का विधान बताते हैं। जब प्रभु किसी पर कृपा करते हैं, ये वैभव मिलना कृपा नहीं है। ये पुण्य है। ये वैभव बढ़ना, यश बढ़ना भगवान की कृपा नहीं मानी जाती है। भगवान की कृपा मानी जाती है अंदर का चिंतन बदलना। जिससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भष्म होकर, अगला जो होगा, वो उत्तम होगा। संत प्रेमानंद महाराज ने समझाया कि अंदर का चिंतन बन गया बह्यमुखी यानि बाहर। बाहर यश, कीर्ति, लाभ और विजय से सुख मिलता है। भगवान जब कृपा करते हैं, तो संत समागम देते हैं। दूसरी जब कृपा होती है, तो विपरीतिता देते हैं। फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं कि ये मेरा रास्ता है। ये परम शांति का रास्ता है। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं। संत प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता है। किसी को भी वैराग्य होता है, तो संसार की प्रतिकूलता देखकर होता है। सबकुछ हमारे अनुकूल है, तो हम आनंदित होकर उसका भोग करते हैं। जब हमारे अंदर प्रतिकूलता आती है, तब सोचते हैं कि इतना झूठा संसार है। तो अंदर से भगवान रास्ता देते हैं। कि ये सही है। भगवान बिना प्रतिकूलता के इस संसार को छुड़ाने का कोई अवसर नहीं देते हैं।

आज तक जितने महान संत हुए हैं और उनका जीवन बदला है, तो प्रतिकूलता का दर्शन कर बदला है। गौरतलब है कि विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, जिसके बाद वह सपत्नीक सीधे आध्यात्मिक शांति की तलाश में वह वृंदावन पहुंचे।

ओवैसी ने लिए शरीफ और मुनीर के मजे, क्या लीज पर लिए चीनी विमान उतार पाओंगे

हैदराबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार की सुबह पंजाब में आदमपुर वायु सेना केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने वायु सेना के जवानों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। ओवैसी ने कहा कि क्या पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने लिखा, क्या शरीफ और मुनीर लीज पर लिए अपने चीनी विमान को रहीम यार खान एयरबेस पर उतार पाएंगे?

दरअसल, 10 मई को पाकिस्तान के रहीम यार खान एयरबेस पर भारत ने बुरी तरह तबाह हो गया। भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन में ब्रह्मोस-ए सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने एयरबेस के मुख्य रनवे को पूरी तरह नष्ट किया है। रहीम यार खान एयरबेस को शेख जायद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी कहा जाता है, जो कि पाकिस्तान वायुसेना का अहम सैन्य अड्डा रहा है। हमले में कई सैन्य सुविधाओं, इमारतों और उपकरणों को नुकसान पहुंचा। साथ ही स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ सहित कुछ सैन्यकर्मियों की मौत भी हो गई।

इस बीच, पाकिस्तान यह झूठा दावा करता रहा कि आदमपुर एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसमें एयरबेस के रनवे, मिग-29 जेट, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया कि हमले में 60 भारतीय सैनिक मारे गए और एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि, ये दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने इन्हें खारिज करते हुए कहा कि आदमपुर एयरबेस पूरी तरह सुरक्षित है।

वहीं, पीएम मोदी ने आज आदमपुर एयरबेस का दौरा कर जवानों से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरों और वीडियो ने पाकिस्तान के प्रचार की पोल खोल दी। सैटेलाइट तस्वीरों और विशेषज्ञों ने भी पुष्टि की कि एयरबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717